खबर संक्षेप

भोपाल में लगे ईरान के लीडर खामेनेई के पोस्टर हटे

भोपाल। भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-6 के पास स्थित ईरानी डेरा में इस बार मोहर्रम के मौके पर ईरान के नेताओं के पोस्टर लगाए गए थे। जिन्हें एक दिन बाद रविवार को प्रशासन ने हटा दिया है। शनिवार को कई जगहों पर शिया समुदाय के प्रभावशाली धार्मिक और सैन्य नेताओं आयतुल्ला अली खामेनेई, अली अल सिस्तानी, जनरल मोहम्मद बाघेरी, कासिम सुलेमानी और अयातुल्ला खोमैनी के बड़े-बड़े दिखाई दे रहे थे। एक जगह आयतुल्ला अली खामेनेई का फोटो तिरंगे के नीचे लगा था। फतेहपुर से भोपाल आए ईरानी डेरे के इमाम शाहकार हुसैन ने कहा कि हर साल पोस्टर्स लगाए जाते हैं, लेकिन इस बार संख्या ज्यादा है। इसकी वजह है 12 दिन की वह जंग, जिसे इजराइल ने बुजदिलाना अंदाज में शुरू किया और ईरान ने करारा जवाब दिया। इजराइल-ईरान के बीच संघर्ष विराम को लेकर उन्होंने कहा कि सीजफायर की मांग खुद इजराइल-अमेरिका ने की। यह सिर्फ ईरान नहीं, इंसाफ पसंद तमाम लोगों की जीत है। आयतुल्ला खामेनेई ने खुद कहा है कि यह जीत मोहर्रम की देन है। हमने इमाम हुसैन से सीखा है कि जुल्म के खिलाफ सिर नहीं झुकाते। मोहर्रम का यही संदेश है और इस बार इसे दुनिया के सामने रखना जरूरी था कि हक की राह पर चलने वाले कभी हारते नहीं।

भोपाल में प्रॉपर्टी डीलर से 25 लाख की रंगदारी मांगी

भोपाल। भोपाल के अशोका गार्डन इलाके में रहने वाले एक प्रॉपर्टी डीलर से 25 लाख रुपए की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। आरोपी ने कॉल पर फरियादी को रंगदारी देने के लिए धमकाया। नहीं देने की हालत में हत्या की धमकी दी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। तब खुलासा हुआ कि आरोपी और फरियादी पुराने दोस्त हैं। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है। टीआई अनुराग लाल ने बताया कि मयूर बिहार कॉलोनी में रहने वाले मोहम्मद मतीन पूर्व में ऑटो डील करते थे। लंबे समय से वह प्रॉपर्टी डीलिंग के काम से जुड़े हैं। ऑटो डीलिंग कार्य करने के दौरान आरोपी मोहम्मद फैज उनका पार्टनर हुआ करता था। कारोबार में नुकसान के बाद दोनों अलग हो गए। अब फैज मतीन की तरक्की देखकर उससे रंजिश रखने लगा था। उसकी आर्थिक हालत भी बेहद खराब है। मदद के तौर पर मतीन ने उसको करीब सवा पांच लाख रुपए अलग-अलग समय में दिए। तब फैज ने उसे धमकाकर 25 लाख रुपए की रंगदारी वसूलने की प्लानिंग की। लेकिन उसके षड्यंत्र का पर्दा फाश हो गया और उसे जेल जाना पड़ा।

भोपाल में पति के दोस्त ने महिला से किया रेप

भोपाल। भोपाल में 30 साल की महिला से रेप का मामला सामने आया है। जहांगीराबाद पुलिस ने महिला की शिकायत पर लिव-इन पार्टनर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। महिला विवाहित है। उसके पति के दोस्त का घर आना-जाना था। इसी दौरान महिला की आरोपी से नजदीकियां बढ़ गईं। पहली बार 6 मई 2022 को आरोपी ने पीड़िता के साथ उसी के घर में संबंध बनाए। बाद में शादी का झांसा दिया और पति से अलग होने को कह दिया। बीते ढाई साल से पीड़िता आरोपी के साथ गौतम नगर थाना क्षेत्र में रह रही थी। इस दौरान कई बार आरोपी ने उसके साथ रेप किया। महिला ने निकाह करने के लिए जोर दिया तो आरोपी ने उसे घर से निकाल दिया। शनिवार को पीड़िता के शिकायत आवेदन की जांच के बाद गौतम नगर पुलिस ने जीरो पर रेप की एफआईआर दर्ज की। रविवार को केस डायरी को जहांगीराबाद पुलिस को सौंप गया, जहां असल कायमी कर ली गई है। टीआई आशुतोष उपाध्याय ने बताया कि 30 साल की महिला वर्ष 2022 तक इलाके में रहती थी।

जल संरक्षण का जन आंदोलन बना जल गंगा संवर्धन अभियान

(डॉ. मोहन यादव)

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

रामचरित मानस की इस चौपाई के पंचतत्वों में से एकजल, जीवन का आधार है।हमें जीवन के अस्तित्व के लियेजल को संरक्षित करना ही होगा। इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए बचाना जरूरी है।ऋग्वेद की ऋचाओं में जल के महत्व, विशेषताओं और संरक्षण का संकेत है। रामायण और महाभारत में प्रकृति के संरक्षण का उल्लेख है। जल संरक्षण हमारी पुरातन संस्कृति है। यह अपनी परंपरा और संस्कारों की ऐतिहासिक विरासत है जिसे हमें अगली पीढ़ी तक पहुंचाना है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की विरासत से विकास की दृष्टि समग्र कल्याण के लिए है जो प्रकृति संवर्धन से लेकर विकास के हर पक्ष में समाहित है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने लंबे समय तक जल संरक्षण का अभियान चलाया था उन्हीं से प्रेरणा लेकर मध्यप्रदेश में हमने जल गंगा संवर्धन अभियान की संकल्पना की। इस अभियान का शुभारंभ 30 मार्च गुड़ी पड़वा, नववर्ष विक्रम संवत अवसर पर महाकाल की नगरी उज्जयिनी के शिप्रा तट से किया गया।यह अभियान जल संरक्षण, जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन और जन-जागरुकता को समर्पित रहा है। जल संग्रह के कई कीर्तिमान रचने के साथ आज हम जल संरक्षण की समृद्धि का उत्सव मना रहे हैं। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि इस 90 दिन तक चले अभियान में पूरे प्रदेश में बड़े पैमाने पर जलसंरचनाओं पर काम हुआ है। इस अभियान में खंडवा जिले ने 1.29 लाख संरचनाओं का निर्माण किया है इस विशेष उपलब्धि के लिए खंडवा को भू-गर्भ जल भंडारण की दृष्टि से प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जल सुरक्षा और प्रभावी जल प्रबंधन के लिए कैच द रेन अभियान शुरूकिया। इसी से प्रेरणा से लेकर मध्यप्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत वर्षा के एक-एक बूंद को सहेजने का प्रयास किया गया। प्रदेश में पहली बार वर्षा जल को सहेजने का बड़े स्तर पर अभियान चला इससे भविष्य में भू-जल की निर्भरता कम होगी और पानी की हर बूंद का उपयोग होगा। हमने प्रधानमंत्री जी के मिशन लाइफ मंत्र को आत्मसात किया और अपनी जीवन शैली में बदलाव करके पर्यावरण रक्षा का सूत्र हाथ में लिया है। इससे जन-जन में पर्यावरण मित्र के रूप में जीवन जीने की परंपरा निर्मित हुई है। प्रदेशवासी मिशन लाइफ के अनुसार प्रकृति के साथ प्रगति पथ पर आगे बढ़ेंगे। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में पहली बार रि-यूज वाटर पोर्टल निर्मित किया जा रहा है। यह पहल प्रदेश में जल संरक्षण और पुनः उपयोग की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इस तरह प्रदेश जल प्रबंधन के लिए तीन सिद्धांत री-यूज, रीड्यूज और री-साइकल पर आधारित रणनीति बनाकर काम कर रहा है। यह हमारा सौभाग्य है कि मध्यप्रदेश की धरती प्रकृति की विपुल सम्पदा से समृद्ध है। यह मां नर्मदा, शिप्रामईया, ताप्ती और बेतवा सहितलगभग 267नदियों का मायका है। प्रदेश में पहली बार नदियों को निर्मल और अविरल बनाने के लिए 145 से अधिक नदियों के उद्गम को चिन्हित किया गया और साफ-सफाई के साथ पौधरोपण की शुरुआत हुई है। नदियों के तट पर पौधरोपण की यह पहलनदियों को उनके मायके में हरि चुनरी ओढ़ाने का प्रयास है। प्रदेश में पहली बार जल सरंक्षण के साथजल समृद्धि की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण की पहल की गई। इसके तहत राजाभोज ने बसाये भोपाल की ऐतिहासिक धरोहर बड़े बाग की बावड़ी को सहेजने और पुनर्जीवित करने का कार्य किया गया। मुझे यह बताते हुए खुशी है कि इस अभियान के अंतर्गत हमने 200 वर्ष पहले लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर द्वारा बनाई गई होलकर कालीन बावड़ी को जीर्णोद्धार उपरांत नया स्वरूप प्रदान किया है। इस बावड़ी का लोकर्पण करते हुएमुझे यह महसूस हुआ कि हम माता अहिल्या के लोक कल्याण के युग में पहुंच गये हैं। बावड़ियां हमारे पूर्वजों की अमूल्य धरोहर हैं, इसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के लियेप्रदेश भर मेंदो हजार से अधिक बावड़ियों को पुनर्जीवित करते हुए बावड़ी उत्सव मनाया गया। प्रधानमंत्री जी ने हमारी युवा शक्ति को जल सैनिक बनाने का आह्वान किया था। इस अभियान में, मध्यप्रदेश में पहली बार 2.30 लाख जल दूत बनाये गये।मुझे पूर्ण विश्वास है कि पानी बचाने के लिए यह अमृत मित्र भविष्य में जल सुरक्षा के अग्रदूत बनेंगे। प्रदेश में पहली बार डेढ़ लाख से अधिक कृषकों ने सभी विकासखंडों में 812 पानी चौपाल का आयोजन किया। इसमें किसानों ने अपने गांव के खेतों, जल स्त्रोतों के संरक्षण, संवर्धन और पुरानी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार पर विचार विमर्श किया। प्रदेश में पहली बारखेत का पानी खेत में, गांव का पानी गांव में रोकने केलिए खेत तालाबों का चयन सिपरी सॉफ्टवेयर से किया गया। अभियान में 83 हजार से अधिक बनने वाले खेत-तालाबों से प्रदेश के अन्नदाता में नई उम्मीद जागी है। अब वे अपने खेत में एक नहीं कई फसलें ले सकते हैं। खेत तालाब के अलावा अमृत सरोवर और डगवेल रिचार्ज बनाने में भी सिपरी सॉफ्टवेयर, एआई और प्लानर सॉफ्टवेयर जैसी तकनीक का उपयोग किया गया है। इस तकनीक से निर्धारित लक्ष्य को समय रहते प्राप्त करने में आसानी हुई है और गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। इसके लिए नियमित जानकारी प्राप्त करने के लिए डेशबोर्ड डाटा को एआई के माध्यम के उपयोग से अभियान की प्रगति में सुधार और गति दी गई। इस अभियान में प्रदेश के नगर-नगर और गांव-गांव में जल स्त्रोतों को शुद्ध और उपयोगी बनाने का कार्य चला, अनेक पोखर और बावड़ियों को पुनर्जीवनप्राप्त हुआ। यह सरकार और समाज का संयुक्त प्रयास है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि पानी की बूंद-बूंद सहेजने का जो प्रयत्न किया गया है वह हमारे किसान भाईयों के लिए पारस पत्थर का काम करेगा। सूखे खेत हरे-भरे होंगे, सुनहरी फसलें लहलहायेंगी। हमारा किसान समृद्ध होगा और मध्यप्रदेश की धरती समृद्ध होगी। वर्षा के जल को संग्रहित करने और पुराने जल स्त्रोतों के जीर्णोद्धारके लिए यह अभियान चलाया गया। इस अभियान की सफलता का सबसे बड़ा आधार है जनभागीदारी।

सरकार,शासन-प्रशासन, समाजसेवी और प्रदेश के आमजन ने इस अभियान में सहभागिता निभाई है।जल गंगा संवर्धन अभियान के बाद अब पौधरोपण का व्यापक अभियान चलाया जायेगा। मुझे खुशी है कि जल गंगा संवर्धन अभियान शासन के साथ जनता के लिए, जनता का अभियान बन गया है। इस अभियान ने जनआंदोलन का स्वरूप ले लिया है।प्रदेश ने यह प्रमाणित किया है कि यदि सरकार और जनता मिलकर कार्य करें तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं।किसानों, महिलाओं, युवाओं और विद्यार्थियों ने जल संरक्षण को जीवन का मंत्र बना लिया है।इससे समाज में जल संरक्षण का भाव और भागीदारी का मानस विकसित हुआ है।इस अभियान ने हम सभी के मन को एक नये संकल्प और ऊर्जा से भर दिया है। यह अभियान केवल जल संरक्षण का कार्य नहीं है।

पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में बालाघाट जिले की सूमा उइके की पहल को सराहा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री मोदी का माना आभार

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मन की बात कार्यक्रम में बालाघाट जिले के कटंगी ब्लॉक की सूमा उइके का उल्लेख करने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री मोदी का आभार माना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में राज्य सरकार, महिलाओं- युवाओं -गरीबों और किसानों के जीवन में बदलाव लाने और उन्हें आत्मनिर्भरता के मार्ग पर अग्रसर करने की दिशा में समर्पित भाव से प्रयासरत है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा मन की बात कार्यक्रम में राज्य के इन प्रयासों का उल्लेख करने से प्रदेशवासियों का उत्साह बढ़ा है।

उल्लेखनीय है कि बालाघाट जिले के कटंगी विकासखंड के ग्राम भजियापार की सूमा उइके ने स्व सहायता समूह से जुड़कर मशरूम की खेती और पशुपालन की ट्रेनिंग ली और आय बढ़ने पर थर्मल थेरेपी और दीदी कैंटीन से आय अर्जित कर रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विजयनगर लालघाटी क्षेत्र में रमेश विजयवर्गीय के निवास पर श्रवण किया।

जबलपुर में आयुष्मान भवः कार्यक्रम संपन्न

प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार तेजी से हो रहा हैः उप मुख्यमंत्री शुक्ल

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेश तथा देश में तेजी से विकास हो रहा है, देश आर्थिक महाशक्ति बन रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार सुधार हो रहे हैं और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, जिससे आम जन को स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं। इन्ही सब प्रयासों से मध्यप्रदेश को बीमारू राज्य के कलंक से निजात मिली है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल कल्चुरी होटल जबलपुर में आयुष्मान भव- कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के लिए मध्यप्रदेश में लगातार बेहतर कार्य किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में इस समय 30 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के संबंध में चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि 30 हजार पदों की भर्ती की प्रक्रिया जारी है, जो सितम्बर-अक्टूबर तक पूरी हो जायेगी। इससे जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सक की उपलब्धता होगी। महाकौशल क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाएं दिल्ली, मुंबई, नागपुर की स्वास्थ्य सुविधाओं से बेहतर होंगी। कैंसर के इलाज के लिए अत्याधुनिक मशीने भी शीघ्र ही जबलपुर को मिलेंगी। जबलपुर में अब बॉन मेरो ट्रांसप्लांट यूनिट भी शुरू हो चुकी है। उन्होंने कहा कि जिला चिकित्सालय व मेडिकल में मरीज आने को अब मजबूर नहीं होंगे, उनके स्वास्थ्य के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को सशक्त किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी योजना है, जिससे गरीबों को अब आसानी से स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि 2018 से लेकर 2024 तक आयुष्मान योजना अंतर्गत 9 हजार करोड़ का भुगतान हुआ है। साथ ही कहा कि इस योजना में कुछ गड़बड़ी न हो इसके लिए विजलेंस टीम लगातार कार्य भी कर रही है। आम तौर पर आयुष्मान कार्ड बनाने में बुजुर्ग व्यक्तियों के अंगुलियों के निशान मिट जाने की समस्या आती है।

भोपाल में सरेराह युवक की गोली मारकर हत्या

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

भोपाल में एक युवक की सरेराह गोली मारकर हत्या कर दी। वह अपने दोस्त का बर्थडे सेलिब्रेट कर रहा था। इस दौरान दो बाइक से आए 6 बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। दो गोलियां युवक के सिर और पेट में लगी। उसकी मौत हो गई। घटना छोला मंदिर थाना क्षेत्र के लीलाधर कॉलोनी में शनिवार देर रात की है। मृतक का नाम अमित वर्मा (22) है। हत्या का आरोप कुख्यात बदमाश नसीम बन्ने खां और उसके साथियों पर हैं। नसीम स्वयं को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का गुर्गा बताता है। वारदात के बाद इलाके में दहशत फैल गई। हमलावर राजा खटीक नाम के बदमाश की हत्या करना चाहते थे। राजा वारदात के समय अमित के साथ था। वारदात के बाद आरोपियों के अलग-अलग वीडियो वायरल हो रहे हैं। जिसमें बदमाश वीआईपी रोड पर राहगीरों से विवाद करते और तलवार लहराते दिखाई दे रहे हैं। इधर, पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्रा ने आरोपियों की गिरफ्तारी पर ?30000 का इनाम घोषित किया। क्राइम ब्रांच सहित जोन 4 की 5 अलग-अलग टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हैं। अमित पिता राधेश्याम वर्मा (22) बरखेड़ी फाटक गली नंबर दो खटीकपुरा में रहता था। वह एक गार्मेंट्स शॉप में नौकरी करता था। लीलाधर कॉलोनी में उसके दोस्त आशू खटीक का जन्मदिन था। सेलिब्रेशन करने वह दोस्तों के साथ आशू के घर शनिवार रात करीब 12 बजे पहुंचा था। यहां सभी दोस्तों ने केक कटिंग की। इसके बाद सड़क पर खड़े होकर बातचीत कर रहे थे।

प्रधानमंत्री मोदी जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन समारोह को वर्चुअली करेंगे संबोधित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 1518 करोड़ के कार्यों का करेंगे लोकार्पण और भूमि-पूजन

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

पानी की हर बूंद को सहेजने के उद्देश्य से चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन और वॉटरशेड सम्मेलन सोमवार 30 जून को खंडवा में होगा। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअल शामिल होंगे और कार्यक्रम को संबोधित भी करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कार्यक्रम में 1518 करोड़ रुपये से अधिक के जल संरक्षण कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर मध्यप्रदेश में 3 माह के लिए %जल गंगा संवर्धन अभियान% चलाया गया। इस दौरान जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन पर लगातार कार्य किया गया। सोमवार को अभियान के समापन कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत 578.08 करोड़ रुपये की लागत से कराए गए 57 हजार 207 जल संरक्षण कार्य, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना वॉटरशेड विकास के अंतर्गत 63.46 करोड़ रुपये की लागत से 888 जल संरक्षण के कार्य, वॉटरशेड परियोजनाओं के कार्यों के प्रबंधन और अनुश्रवण के लिए वॉटरशेड वर्क मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर का लोकार्पण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जल संसाधन विभाग की 4 सिंचाई परियोजनाओं क्रमशः भाम राजगढ़ मध्यम सिंचाई परियोजना, बिहार सारोला बैराज, लाजैरा बैराज, हापला दीपला बैराज लघु सिंचाई परियोजना का लोकार्पण करेंगे। इन परियोजनाओं की लागत करीब 312.77 करोड़ रुपये है, जिससे 8557 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी। इससे 21 ग्रामों के 7260 किसान लाभांवित होंगे। नर्मदा घाटी विकास विभाग की जावर माईक्रो उद्वहन सिंचाई योजना प्रशासकीय स्वीकृति रुपए 563.72 करोड़ का लोकार्पण भी किया जाएगा। योजना से खण्डवा जिले के 52 ग्रामों के 21,666 किसानों की करीब 26 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित होगी। कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान में अमृत 2.0 योजना अंतर्गत 50 करोड़ की लागत से जीर्णोद्धार की गई 74 जल संग्रहण संरचनाओं का लोकार्पण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में बारिश की हर बूंद सहेजने, पुराने जल स्त्रोतों का पुनरुद्धार करने और जल संरक्षण के लिए नई संरचनाओं का निर्माण करने के लिए 90 दिनों तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया गया। अभियान की शुरुआत मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से की थी। अब 90 दिन तक चलने वाले इस अभियान का प्रदेश में असर भी दिखाई देने लगा है। स्थिति यह है कि प्रदेश में वर्षा जल के संचयन के लिए 90 दिन में 84 हजार 930 खेत-तालाब बनाए गए हैं। प्रदेश में 77 हजार 940 खेत तालाब बनाए जाने का लक्ष्य रखा गया। इसमें लक्ष्य से करीब 7 हजार अधिक खेत तालाब बनाए जा रहे हैं। इसमें से कई खेत-तालाबों का निर्माण कार्य भी पूरा हो गया है। इसी तरह से प्रदेश के सभी जिलों में 1 हजार 283 अमृत सरोवर भी बनाए जा रहे हैं, जिनका निर्माण कार्य भी जारी है। प्रदेश में तीन माह तक चलने वाले जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत 20 हजार 955 पुराने कार्य पूरे किए गए। अभियान से सिंचाई और पीने के पानी के लिए बनाए गए अधिकांश कुओं का जलस्तर भी बढ़ गया है। ऐसे में कुओं को जीवन देने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा 1 लाख 3 हजार से अधिक रिचार्ज पिट बनाए जाने का लक्ष्य रखा गया था।

सरकारी स्कूल में पढ़ाने वाले अतिथि शिक्षकों को भी लगानी होगी ई-अटेंडेंस

अतिथि शिक्षकों ने जताया विरोध

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

एमपी के सरकारी सरकारी स्कूल से गायब रहने वाहे शिक्षकों पर रोक लगाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग इस वर्ष प्रदेश भर के सभी सरकारी स्कूलों में ई-अटेंडेंस की व्यवस्था की है। 1 जुलाई से सभी शिक्षकों को ऑनलाइन अटेंडेंस दर्ज करनी होगी। इसी कड़ी में अतिथि शिक्षकों को भी जोड़ा गया है। जिसे लेकर अतिथि शिक्षकों ने विरोध दर्ज कराया है। उनका कहना है कि नियमित शिक्षकों की तरह ई-अटेंडेंस के लिए हम तैयार हैं, लेकिन हमें भी नियमित शिक्षकों की तरह सारी सुविधाएं भी दी जाएं।अतिथि शिक्षक संघ का कहना है कि अतिथि शिक्षकों से जब नियमित शिक्षकों जैसे सारे कार्य और श्च अटेंडेंस लेना है तो उनको समान वेतनमान, पदनाम, अवकाश सुविधा और अधिकार दिया जाए। क्या शिक्षा विभाग अतिथि शिक्षकों को ऐसे ही बंधुआ मजदूर बनाकर रखेगा। दरअसल सरकार ने तय किया है कि शिक्षकों को ई अटेंडेंस लगानी अनिवार्य है। इसके लिए एप बनाया गया है जिसके माध्यम से शिक्षण संस्थान में जा कर लाइव अपडेट करना होता है। शिक्षक इससे सहमत नहीं है। उनकी अपनी समस्याएं हैं। उनका तर्क है कि सरकार यदि इसे नीति ही बना रही है।

अतिथि शिक्षकों का बना दिया गया मजाक

अतिथि शिक्षक संघ ने आरोप लगाया है कि लगातार मध्य प्रदेश सरकार के साथ अधिकारी भी अतिथि शिक्षकों के भविष्य को मजाक बना कर रख दिया है। उनका शोषण करने में कोई कसर नहीं छोड़ा पिछले चार-पांच साल से ऑनलाइन के नाम पर हर सत्र में दो से तीन महीने तक अतिथि शिक्षकों को ऑनलाइन अपडेशन के नाम पर परेशान किया जाता है। जिससे अतिथि शिक्षक मानसिक रूप से तो परेशान होता ही है साथ में ही आर्थिक रूप से भी परेशान हो जाता है क्योंकि हर बार उन्हें एमपी ऑनलाइन जा करके 500 से लेकर 1000 तक खर्च करने पड़ते हैं। उसके बाद भी अधिकारी द्वारा बनाया गया पोर्टल सही ढंग से कार्य नहीं करता और वह साल भर परेशान होते रहते हैं।

निःशुल्क अनाज वितरण में लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई : मंत्री चौहान

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान ने कहा है कि जनजातीय अंचलों में पात्र परिवारों को निःशुल्क राशन वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कहीं भी अनियमितता या लापरवाही पाई जाती है तो जिम्मेदार कर्मचारियों और सेल्समेन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मंत्री चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार ने गरीब और जनजातीय भाईयों के हित में एक बड़ा निर्णय लिया है। राशन कार्ड धारकों को तीन माह का अग्रिम निःशुल्क राशन जून महीने में ही वितरित करने की योजना बनाई गई है, ताकि वर्षा ऋतु में किसी भी तरह की कठिनाई न हो। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस योजना पर पूरी गंभीरता से अमल कर रही है। अलीराजपुर जिले सहित प्रदेश के अन्य जनजातीय बहुल इलाकों में भी इस योजना का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जा रहा है। मंत्री चौहान ने जिले के जनजातीय भाईयों से भी अपील की है कि वे अपने उचित मूल्य की दुकान से जून महीने में ही तीन माह का पूरा राशन प्राप्त करें। उन्होंने बताया कि हाल ही में जिले के विभिन्न गांवों से उन्हें जानकारी मिली है कि कुछ स्थानों पर हितग्राहियों को केवल दो माह का ही राशन वितरित किया जा रहा है, जबकि उन्हें तीन माह का अनाज अग्रिम रूप से दिया जाना चाहिए।

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. /अ-6/वर्ष-2025-26

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टे के नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 9/07/2025 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक/धारकों के नाम /पिता/माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
12	कंदेली	56	1821 वर्गफुट	श्रीमती रंजना शुक्ला पति रंजनीकांत शुक्ला सा. इंद्रा वार्ड कंदेली	रजनीकांत आ. अवधेश शुक्ला हिमांशु दीपांशु पिस. रजनीकांत शुक्ला सा. इंद्रा वार्ड कन्देली

इश्तहार आज दिनांक 25/6/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
नरसिंहपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. /अ-6/वर्ष-2025-26

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टे के नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 9/07/2025 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। पत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक/धारकों के नाम /पिता/माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
11	कंदेली	83/3	2598.5	संतोष कुमार आ. दुर्गाप्रसाद दुबे निवासी विजय नगर जबलपुर	श्रीमती चेतना दुबे पति आशीष दुबे निवासी इंद्रा वार्ड कंदेली

इश्तहार आज दिनांक 25/6/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
नरसिंहपुर